रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

प्राचीन भारतीय सभ्यता की विरासत है विज्ञान – कुलपति प्रो. मिश्र

विश्वविद्यालय में सप्ताहव्यापी "विज्ञान सर्वत्र पूज्यते" आयोजन के अंतर्गत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एवं वैज्ञानिक व्याख्यानों के आयोजन

जबलपुर 27 फरवरी। विज्ञान प्राचीन भारतीय सभ्यता की विरासत है। हमने पूरी दुनिया को विज्ञान का मूल सिखाया। हजारों साल पहले हमारे विद्वानों ने अंतरिक्ष, गणित, रसायन आर्किटेक्चर, सर्जरी और साइंस के रहस्यों को जानकर उनका उपयोग करना सीख लिया था। आज विज्ञान जिस उन्नत अवस्था में है तो कहीं ना कहीं उसके पीछे भारत है। वर्तमान में विज्ञान को हमारी रोजमर्रा की आवश्यकताओं के अनुरूप ढाल कर आगे बढ़ने की जरूरत है। विज्ञान में शोध को अधिक से अधिक महत्व दिया जाना चाहिए। उपरोक्त विचार माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने रविवार को रानी दुर्गावती परिसर में साइंस ऑन व्हीकल प्रदर्षनी के शुभारंभ मौके पर किये; इस अवसर पर माननीय कुलपति प्रो. मिश्र ने फीता काटकर साइंस ऑन व्हीकल प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष में सप्ताहव्यापी "विज्ञान सर्वत्र पूज्यते" उत्सव का आयोजन राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया जा रहा हैं; राष्ट्रव्यापी मेगा विज्ञान उत्सव का आयोजन पुरे विधि विधान से मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद्, भोपाल एवं रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर एवं विज्ञान भारती महाकौशल विज्ञान परिषद् के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र के मार्गदर्शन एवं मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद्, भोपाल के महानिदेशक प्रो. अनिल कोठारी के निर्देशन में आयोजन की श्रृंखला में 27 फरवरी को विश्वविद्यालय के पं. कुंजीलाल दुबे, प्रेक्षागृह में "ब्रह्मांड में जीवनः एक पहेली" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए बीरबल साहनी पुराविज्ञान संस्थान, लखनऊ (उ.प्र.) के डॉ. सी.एम नौटियाल ने बताया कि खगोल

वैज्ञानिकों के सामने ब्रह्मांड एक अनसुलझी पहेली है। वे ब्रह्मांड के 95 फीसदी भाग के बारे में कुछ नहीं जानते हैं। परमाणु, जिनसे हम और हमारे इर्द–गिर्द की हर वस्तु निर्मित है, ब्रह्मांड का केवल 5 फीसदी ही है। पिछले 80 वर्षों की खोज से पता चला है कि ब्रह्मांड का 95 फीसदी भाग रहस्यमयी श्याम ऊर्जा और श्याम पदार्थ से बना है। मानव ने आज विविध क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर तरक्की कर ली है। इसके बावजूद कई प्रश्न आज भी ऐसे हैं जिन्हें वह सुलझा नहीं पाया है।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाया अपना कौशल–

"विज्ञान सर्वत्र पूज्यते" के आयोजन में रविवार को पं. कुंजीलाल दुबे, प्रेक्षागृह में भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में वैज्ञानिकों की भूमिका विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन सम्पन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में इस दौरान निर्णायक के रूप में विज्ञानी प्रो. आर.के. श्रीवास्तव, प्रो. शम्पा जैन मौजूद रहे। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में विविध स्कूलों एवं कॉलेजों से लगभग 250 छात्र–छात्राओं ने शिरकत की और अपने कौशल का प्रदर्शन किया।

दैनिक जीवन में भौतिकी का है महत्व–

विवि के पं. कुंजीलाल दुबे प्रेक्षागृह में वैज्ञानिक व्याख्यान की श्रृंखला में विषय दैनिक जीवन में भौतिकी पर डॉ. मुकेश राय, ट्रिपल आईटीडीएम ने विषय विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा कि हमारे घरों में उपयोग होने वाले उपकरण जैसे फ्रिज, टीवी, मोबाईल फोन इत्यादि में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से भौतिक के सिद्धांतों का अनुसरण होता है, उन्होंने कहा कि पंखों की स्पीड को बढ़ाने में कडंक्टर या कंडेन्सर की सहायता ली जाती है, जो आवेश को संचित करने का काम करता है, उन्होंने सेल फोन में प्रकाश उत्सर्जक डायोड की उपयोगिता के बारे में विस्तार से बताई। व्याख्यान में उपस्थित विज्ञान के जिज्ञासु छात्रों ने प्रश्न पूछे जिसका समाधान विशेषज्ञ महोदय ने की। इस अवसर पर आयोजन समिति समन्वयक प्रो. सुरेन्द्र सिंह, म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् के डॉ. एन.के. शिवहरे, डॉ. एस. एन. रजक, डॉ. निपुण सिलावट, प्रो. एसएस संधू, डॉ प्रो. सुनीता शर्मा, श्री प्रभात दुबे, प्रो. मुक्ता भटेले, डॉ. अजय मिश्रा, डॉ, मीनल दुबे, इंजी. महावीर त्रिपाठी, डॉ. दीपेन्द्र सिंह, डॉ. एस.पी. त्रिपाठी, सम्राट बोस, सुनील चौधरी, डॉ. प्रकाश मिश्रा, अमरकांत चौधरी आदि का सक्रिय योगदान रहा।

विज्ञान चौपाल, पुरस्कार वितरण एवं समापन कार्यक्रम आज–

"विज्ञान सर्वत्र पूज्यते" आयोजन के स्थानीय कार्यक्रम समन्वयक प्रो. सुरेन्द्र सिंह, सह समन्वयक डॉ. एस.एन. रजक, डॉ सुनीता शर्मा एवं डॉ. निपुण सिलावट ने बताया कि में "विज्ञान सर्वत्र पूज्यते" सप्ताह के अंतर्गत 28 फरवरी, 2022, रविवार को प्रातः 11.30 बजे विवि में विज्ञान चौपाल का आयोजन होगा। अपरान्ह 02.00 बजे से पुरस्कार वितरण एवं समापन कार्यक्रम का आयोजन नानजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलपति प्रो. एस.पी. तिवारी एवं जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पी.के. बिसेन के मुख्य आतिथ्य तथा माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र की अध्यक्षता एवं

कुलसचिव डॉ. बृजेश सिंह के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित होगा। समापन कार्यक्रम में सारस्वत अतिथि के रूप में डॉ. नरेन्द्र शिवहरे मौजूद रहेंगे व श्री प्रवीण रामदास, राष्ट्रीय सचिव, विज्ञान भारती वर्चुअल माध्यम से जुड़े रहेंगे।